गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 145
दि. 24.09.2025, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर को उनकी जयंती के अवसर पर भारतीय साहित्य और राष्ट्रीय चेतना में उनके कालातीत योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा: 'राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

भारत के राष्ट्रपति ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए

श्री मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। किसी भी फिल्म के लिए लोकप्रियता अच्छी बात हो सकती है, लेकिन जनहित में होना, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए, उससे भी बेहतर है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 सितंबर, 2025) नई दिल्ली में विभिन्न श्रेणियों में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने श्री मोहनलाल को वर्ष 2023 का दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने पुरस्कार विजेताओं के साथ-साथ दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्री मोहनलाल को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोहनलाल जी ने कोमल से कोमल और कठोर से कठोर भावनाओं को सहजता से अभिनित करके एक संपूर्ण अभिनेता की छवि बनाई है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि महिला-केंद्रित अच्छी फि ल्में बन रही हैं और पुरस्कृत भी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हम देखते हैं कि महिलाएँ किसी न किसी हद तक गरीबी, पितृसत्ता या पूर्वाग्रह से जूझती हैं। उन्होंने बताया कि आज पुरस्कृत फि ल्मों में अपने बच्चों के नैतिक मूल्यों को गढ़ने वाली माताओं, सामाजिक रूढ़ियों का सामना करने के लिए एकजुट होती महिलाओं, घर, परिवार और सामाजिक व्यवस्था की जटिलताओं के बीच महिलाओं की दुर्दशा, और पितृसत्ता की असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठाने वाली साहसी महिलाओं की कहानियाँ शामिल हैं। उन्होंने ऐसे संवेदनशील फि ल्म निमार्ताओं की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग अपनी सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय कला के माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे विविध समाज का प्रतिनिधित्व करता है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिनेमा से जुड़े हर व्यक्ति में एक भारतीय चेतना, एक भारतीय संवेदनशीलता है जो सभी स्थानीय संदर्भों को जोड़ती है। जिस प्रकार भारतीय साहित्य अनेक भाषाओं में रचा जाता है, उसी प्रकार भारतीय सिनेमा भी अनेक भाषाओं, बोलियों, क्षेत्रों और स्थानीय परिवेशों में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों हैं।

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि सिनेमा सिर्फ. एक उद्योग नहीं है बल्कि उनकी समाज और राष्ट्र में जागरूकता बढ़ाने तथा नागरिकों को ज्यादा संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है।

'विदेशी हमलों की वजह से आधी हो गई हिंदू आबादी', सीएम योगी ने स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर

(जीएनएस)।

लखनऊः सीएम योगी आज लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में शामिल हुए। इस कार्यशाला का विषय 'आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी संकल्प' था। इस कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम योगी स्वदेशी सामान अपनाने पर बल दिया। सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं के हमले से पहले हिंदू आबादी 60 करोड़ थी, जो आजादी के समय 30 करोड़ रह गई। हमारी आबादी बढ़नी चाहिए थी जो कि घट गई। इसका साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के स्वदेशी के नारे पर बल देते हुए कहा कि हमें भारतीय श्रमिकों के द्वारा बनाई गई हर चीज को बढ़ावा देना चाहिए।

'आधी हो गई हिंदू आबादी'

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "कहा जाता है कि जब इस्लाम ने भारत पर पहला आक्रमण किया था, उस समय और उसके बाद भी, वर्ष 1100 तक, भारत में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी। जब 1947 में देश को आजादी मिली, तब हिंदू आबादी केवल 30 करोड़ थी। बताइए, इन 800-900 सालों में हमारी आबादी बढ़नी चाहिए थी या घटनी चाहिए थी? यानी न सिर्फ आबादी घटी, बल्कि हमारा कृषि उत्पादन भी कम हुआ। यह घटती आबादी न सिर्फ आक्रमणकारियों द्वारा मारी गई, बल्कि भूख, बीमारी और तमाम तरह की यातनाओं से भी मरी। विदेशी गुलामी ऐसे ही होती है।"

स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर

सीएम योगी ने आगे कहा, "इस देश पर भी यही सब कुछ हुआ। इस देश पर अत्याचार और शोषण हुआ। भारत के पास क्या नहीं था? सब कुछ था। लेकिन कुछ लोगों ने जाति, क्षेत्र, भाषा, कई चीजों के आधार पर लोगों को बांट दिया।

उत्तर प्रदेश व गुजरात में उपज खरीदी के लिए दी मंजूरी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश व गुजरात में उपज खरीदी के लिए दी मंजूरी

किसानों से उड़द, तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए श्री शिवराज सिंह ने दी स्वीकृति

उत्तर प्रदेश में मूंग, तिल, मूंगफली और गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की मंजूरी

किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से करने के श्री शिवराज सिंह ने दिए निर्देश

दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को होगा फायदा- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात में प्रमुख दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को स्वीकृति दी है। किसानों से उड़द व तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए श्री शिवराज सिंह ने मंजूरी दी है, वहीं उत्तर प्रदेश में मूंग, तिल, मूंगफली तथा गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की अनुमति प्रदान की है। किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से करने के लिए श्री शिवराज सिंह ने इन राज्यों को निर्देश दिए, साथ ही कहा कि दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को लाभ होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज हुई वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही तथा गुजरात के कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल शामिल थे, वहीं केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी तथा केंद्र व दोनों राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारी भी बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, डिजिटल व सुचारू रूप से की जाएं, जिस पर दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने कहा कि उपज खरीद आधुनिक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण व पीओएस मशीन व्यवस्था के साथ डिजिटल पोर्टलों के जरिए होगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने राज्य में उड़द 2 लाख 27 हजार 860 मीट्रिक टन (100%) खरीद को स्वीकृति प्रदान की, जिसका मूल्य 1777.30 करोड़ रुपये रहेगा। तूर की भी शत-प्रतिशत 1,13,780 मीट्रिक टन खरीद के लिए केंद्र की ओर से श्री शिवराज सिंह ने मंजूरी दी है, जिसकी कीमत 910.24 करोड़ रु. रहेगी।

राज्य की महानगर पालिकाओं के लिए 200 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना की कार्यपद्धति घोषित

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहन देकर सुव्यवस्थित शहरी परिवहन और कुशल रोड नेटवर्क की योजना के क्रियान्वयन के लिए एसओपी को दी अनुमति

गांधीनगर, 23 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की महानगर पालिकाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट यानी जलवायु-अनुकूल और सस्टेनेबल (टिकाऊ) इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहन देकर सुव्यवस्थित शहरी परिवहन और कुशल सड़क नेटवर्क के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अनुमति दी है। राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में शहरी स्थानीय निकायों द्वारा विकसित किए जाने वाले ऐसे ग्रीन रिंग रोड के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर के मुख्य हिस्से में प्रवेश किए बिना शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच तेज कनेक्टिविटी प्रदान करना और शहरों के केंद्र से यातायात दबाव को दूर करने के लिए शहर के चारों ओर रिंग रोड विकास के जरिए कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इतना ही नहीं, शहरी क्षेत्रों में बढ़ते यातायात दबाव का अत्याधुनिक और स्मार्ट तकनीक के जरिए डायवर्जन, नियंत्रण और प्रबंधन करने जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में ग्रीन रिंग रोड विकास योजना की एसओपी तैयार करने के लिए प्रधान सचिव की अध्यक्षता में इस क्षेत्र के जानकार, अनुभवी और आवश्यक कौशल वाले विशेषज्ञों की एक एडवाइजरी कमेटी का गठन किया गया था। इस विशेषज्ञ कमेटी की सिफारिशों के अनुसार ऐसे रिंग रोड के निर्माण में अत्याधुनिक ग्रीन-क्लीन कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी और सामग्रियों के अधिक से अधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने का उद्देश्य भी रखा गया है। रिंग रोड विकास योजना की एसओपी में शहरों की सुंदरता और पर्यावरण अनुकूल मूल्यों में वृद्धि करने के साथ-साथ सुदृढ़ और न्यूनतम रखरखाव वाले इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण शामिल किया गया है।

ग्रीन रिंग रोड के लिए सस्टेनेबल इंटीग्रेशन के अंतर्गत केरेज-वे, मीडियन और शोल्डर्स, ड्रेनेज और बरसाती पानी का प्रबंधन, रोड यूटिलिटीज, वृक्षारोपण, यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा सुविधाओं को भी शामिल किया गया है।

एसओपी में यह भी प्रावधान किया गया है कि योजना के तहत जिन महानगरों में ग्रीन रिंग रोड का विकास किया जाएगा, वहां नवीन संसाधनों पर आवश्यकता को कम करने तथा सरक्युलर इकोनॉमी को गति देने के लिए सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कुल सामग्रियों का 25 फीसदी रिसाइकिल मटेरियल के उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, महानगर पालिकाओं को सुझाव दिए गए हैं कि वे इस प्रकार से योजना बनाएं, जिसमें ऐसे ग्रीन रिंग रोड प्रोजेक्ट में खपत होने वाली कुल ऊर्जा में से अधिकतम रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग हो सके। इस ग्रीन रिंग रोड के विकास के लिए प्रोजेक्ट की जटिलता और पैमाने को ध्यान में रखते हुए ग्रीन रिंग रोड प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी गाइडलाइन और निर्धारित एसओपी का पालन करना होगा। प्रोजेक्ट से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की टेक्निकल और एन्वायर्नमेंटल समीक्षा भी करनी होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष 2025 के माध्यम से स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरों के निर्माण का जो विजन दिया है, उसे यह मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना जलवायु-अनुकूल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए एक नई दिशा देगी।

शिपयार्ड विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

सरकार के समुद्री अमृत काल विजन 2047 के तहत, रक्षा मंत्रालय के रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारत के पूर्वी तट पर एक विश्व स्तरीय ग्रीनफील्ड शिपयार्ड के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 19 सितंबर, 2025 को निवेश संवर्धन और सुविधा के लिए राज्य की नोडल एजेंसी, गाइडेंस तमिलनाडु के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। गुजरात के भावनगर में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) द्वारा आयोजित समारोह में एमडीएल के निदेशक (जहाज निर्माण) श्री बीजू जॉर्ज और गाइडेंस तमिलनाडु के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ डॉ. दारेज अहमद, आईएएस के बीच समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए

पुनर्वास महानिदेशालय ने नई दिल्ली में सशस्त्र बल अधिकारियों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के पुनर्वास महानिदेशालय ने 22 सितंबर, 2025 को यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए एक रोजगार मेले का आयोजन किया। इस मेले का उद्देश्य रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कॉर्पोरेट संस्थाओं को एक साथ लाना था। इस रोजगार मेले में 26 कंपनियों ने 100 से अधिक रिक्तियों की पेशकश की और रोजगार की तलाश कर रहे सशस्त्र बलों के 300 से अधिक अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।

इस आयोजन ने अधिकारियों को अपनी सेवा के दौरान अर्जित तकनीकी और प्रशासनिक कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान किया। चुने गए अधिकारियों का साक्षात्कार/स्क्रीनिंग की जाएगी और उसके बाद उन्हें पर्यवेक्षी, तकनीकी, प्रबंधन एवं प्रशासन और रणनीतिक सलाहकार जैसे विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

यह पहल अनुभवी, अनुशासित और कुशल अधिकारियों की स्क्रीनिंग करके कॉर्पोरेट्स को लाभान्वित करने में सक्षम बनाती है। यह रोजगार मेला पूर्व सैनिकों के लिए दूसरे करियर के अवसर प्रदान करने हेतु पुनर्वास महानिदेशालय के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है।

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की पहल महिला स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेदिक कल्याण को बढ़ावा देती है

सीएआरआई नई दिल्ली ने राष्ट्रव्यापी पहुंच के माध्यम से "लोगों और पृथ्वी के लिए आयुर्वेद" थीम के साथ 10वां आयुर्वेद दिवस मनाया

(जीएनएस)।

दसवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में, आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के तत्वावधान में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) ने "लोगों और पृथ्वी के लिए आयुर्वेद" विषय के प्रभावी प्रसार के लिए कई कार्यक्रमों और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया। ये पहल आयुर्वेद द्वारा स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने और व्यापक आयुष इको-सिस्टम में योगदान देने के लिए सीएआरआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

सीएआरआई, नई दिल्ली के तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जनसभाओं में आयुर्वेद शपथ ली गई। समारोह की शुरूआत संस्थान की निदेशक डॉ. भारती के परिचयात्मक भाषण से हुई। प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार और पर्यावरण संरक्षण के लिए आयुर्वेद-आधारित सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया। सीएआरआई, नई दिल्ली द्वारा 10.09.2025 से 23.10.2025 तक एक आयुर्वेद एक्सपो का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आयुर्वेद के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सूचना एवं संचार सामग्री वितरित की गई। आयुर्वेद पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदर्शित की गई।

प्रख्यात आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा व्याख्यानों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इन सत्रों में आयुर्वेद दिवस की थीम "आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लैनेट" की शुरूआत, वृद्धावस्था देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका, आहार एवं पोषण, रोगों की रोकथाम में पंचकर्म, मौसमी आहार एवं जीवनशैली में बदलाव, महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा के लिए दैनिक आयुर्वेद, और मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025 के अंतर्गत, सीएआरआई नई दिल्ली और उसकी परिधीय शाखाओं की आयुर्वेद उपचार इकाइयों ने एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें महिलाओं के जीवन के विभिन्न चरणों और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के तरीकों पर व्याख्यान दिए गए। ओपीडी के दौरान, महिला रोगियों को प्राथमिकता दी गई और रक्त हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार के लिए आयुर्वेदिक दवाएं वितरित की गईं।

सम्पादकीय

वैश्विक पहचान : आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन

भारत सरकार ने हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाने का फैसला किया है। इससे पूर्व यह दिवस धनतेरस के दिन मनाया जाता था। आयुर्वेद की वैश्विक पहचान कायम करने के लिए यह निर्णय लिया गया बताया। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद जन जन एवं पृथ्वी के कल्याण के लिए है रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य है कि आयुर्वेद सिर्फ मनुष्यों के लिए ही नहीं बल्कि किया की वनस्पतियों और प्रवृति के संरक्षण के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार की अगले वर्षों में इसे और बड़े स्तर पर मनाने की योजना है ताकि विश्वभर में आयुर्वेद को लेकर जागरूकता बढ़े और इसकी वैज्ञानिक मान्यता मजबूत हो। आयुष मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 में आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन किया गया जो आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करता है। इस वर्ष यह संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है। इस साल का मुख्य आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान गोवा में होगा। गोवा, जो पर्यटन और वेलनेस के क्षेत्र में पहले ही एक अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है, अब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का वैश्विक द्वार बन गया है। आयुर्वेद को हमारे देश में सेहत का खजाना कहा जाता है। आयुर्वेद की जड़ी-बूटी अपने भीतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के कई गुण समेटे हुए है। आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। बारिश के मौसम में बीमारियां भी जल्दी पकड़ लेती हैं। सदा-जुकाम, बुखार, स्किन इंफेक्शन, पेट की समस्याएं और इम्युनिटी कमजोर होना आम बात हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी सेहत का खास ध्यान रखें। अगर आप बिना दवा के इन परेशानियों से दूर रहना चाहते हैं, तो आयुर्वेदिक नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। आयुर्वेद में कुछ ऐसे आसान और असरदार उपाय बताए गए हैं, जो मॉनसून के मौसम में आपकी इम्युनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाने में काफी कारगर साबित हो सकते हैं। आयुर्वेद के घरेलू नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकता है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भांति अजवायन, लौंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुक्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए है। उल्टा लेटकर ऑक्सीजन प्राप्त करने के नुस्खे को एलोपैथी की मान्यता मिली है। यही नहीं इनमें से ज्यादातर नुस्खों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक

स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के माइंड टु मार्केट के विचार को सार्थक करने का मंच बनेगा : केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

● पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स में 380 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना

● देश में आज 1.92 लाख से अधिक स्टार्टअप्स तथा 120 से अधिक यूनिकॉर्न्स हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक है

● आगामी तीन वर्षों में भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्षस्थ 10 देशों में स्थान दिलाने का संकल्प

● भारत में मिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम्स होंगी, परंतु उनके समक्ष बिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम सॉल्वर्स भी हैं

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी तथा स्किल्ड वर्कफोर्स के अधिकतम उपयोग से भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया-मेड फॉर द वर्ल्ड' का विजन दिया : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

● मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

● प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे बड़े अभियानों की सफलता के कारण इंडस्ट्री, इकोनॉमी एवं स्टार्टअप्स आदि सेक्टर्स को गति मिली है

● स्वदेशी, आत्मनिर्भरता व इनोवेशन को प्रोत्साहन तथा रोजगार सृजन एवं एंटरप्राइजिंग को गति देने और विकसित भारत के निर्माण के लिए देश में स्टार्टअप्स जरूरी हैं

● महात्मा मंदिर-गांधीनगर में दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव तथा एग्जीबिशन-2025' का प्रारंभ

गांधीनगर, 23 सितंबर :केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025' का प्रारंभ कराते हुए कहा कि यह कॉन्क्लेव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के माइंड टु मार्केट के विचार को सार्थक करने का मंच सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स की संख्या में 380 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम तथा डिजिटल इकोसिस्टम बना है।

श्री शाह ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव तथा एग्जीबिशन-2025' का मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में शुभारंभ कराया। इसके बाद श्री शाह ने विभिन्न स्टार्टअप्स स्टॉल का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर उद्यमियों के साथ संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल तथा उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत भी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप क्षेत्र में हुई क्रांति का श्रेय देश के युवा उद्यमियों को देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 500 के करीब स्टार्टअप्स और 4 ही यूनिकॉर्न्स थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के युवाओं में विद्यमान क्षमता को उजागर करने के लिए स्टार्टअप्स को दिए गए प्रोत्साहनों के फलस्वरूप आज देश में 1.92 लाख से भी अधिक स्टार्टअप्स

और 120 से अधिक यूनिकॉर्न्स कार्यरत हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक होती है। परिणामस्वरूप आज भारत का युवा जॉब सीकर न रहते हुए जॉब गिवर बन रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों तथा निवेशकों से युवाओं में विद्यमान इस क्षमता का लाभ लेने की अपील की।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के द्वितीय संस्करण के विषय में उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन चलने वाले इस कॉन्क्लेव में भारत को हर क्षेत्र में सर्वोच्च बनाने तथा हर नागरिक के जीवन में समयानुकूल परिवर्तन लाने पर चिंता व चिंतन के माध्यम से समस्या के समाधान के लिए सात सत्रों में विचार-विमर्श किया जाएगा। वर्ष 2023 में स्टार्टअप कॉन्क्लेव के प्रथम संस्करण की सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण देश-प्रदेश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अधिक सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 91वें स्थान पर था, लेकिन प्रधानमंत्री की निर्णायक एवं दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप हाल ही में जारी हुए 2025 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत सीधे 38वें क्रम पर पहुँचा है, जो देश के युवाओं में व्याप्त क्षमता को दर्शाता है। युवाओं की इसी क्षमता को प्रोत्साहन देकर आगामी तीन वर्षों में भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्षस्थ 10 देशों में स्थान दिलाने में भी यह कॉन्क्लेव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (परंपरा) में स्वास्थ्य, विज्ञान, गणित, दर्शनशास्त्र सहित विभिन्न विषयों का श्रेष्ठ ज्ञान संचित पड़ा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञान का यह खजाना युवाओं के नए स्टार्टअप्स की मजबूत नींव बनेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि भारत में मिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम्स होंगी, लेकिन उनके समक्ष बिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम सॉल्वर्स भी हैं। इस प्रकार के आयोजनों से देश में इनोवेशन को गति तथा देश के युवाओं की क्रिएटिविटी को प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिसके फलस्वरूप युवा प्रॉफिट से आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने में अधिकतम योगदान देंगे। वर्ष 2014 से पहले देश में टियर-2 व टियर-3 शहरों में स्टार्टअप्स की संख्या नहीं के बराबर थी। आज देश के कुल स्टार्टअप्स में 37 प्रतिशत इन्हीं शहरों से आते हैं।

श्री शाह ने गौरव के साथ कहा कि देश के कुल स्टार्टअप्स में 48 प्रतिशत महिलाओं ने तैयार किए हैं। मातृशक्ति-महिला उद्यमियों के पास हमेशा लक्ष्मीजी का वास होता है। उत्तर-पूर्व में लगभग 900 स्टार्टअप्स महिला संचालित हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्यरत हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से अब तक गौरव समान लगभग 19.70 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। टू टियर तथा थ्री टियर सिटी में प्रति वर्ष लगभग 9,000 स्टार्टअप शुरू होते हैं, जो देश का विकास दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में वर्ष 2014 से स्टार्टअप्स को वित्तीय, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नीतिगत व बैंकिंग सहयोग उपलब्ध हो रहा है। इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए के फंड ऑफ फंड का गठन किया गया है। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए अधिकतम ऋण सीमा 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए करने के साथ ही विभिन्न करों में भी छूट दी गई है। इसके अतिरिक्त; गुजरात सरकार भी स्टार्टअप्स को अनेक प्रकार की सहायता दे रही है, जिसके फलस्वरूप हर सर्जक अपना अलग स्टार्टअप बना रहा है। सरकार द्वारा मेक इन इंडिया तथा 14 प्रमुख क्षेत्रों में पीएलआई लाकर विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिए करोड़ों रुपए की सहायता की जा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू किए गए मेक इन इंडिया तथा पीएलआई के माध्यम से विश्वभर के निवेशक भारत में निवेश कर रहे हैं। निवेशकों की सरलता के लिए देश में 3400 से अधिक कानूनों में फरबदल किया गया है।

श्री शाह ने जोड़ा कि हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी का सरलीकरण किया गया है। जब देशभर में जीएसटी का नया कानून लागू किया गया था, तब विभिन्न 15 करों को एकीकृत कर एक कर लागू करना एक सपने जैसी बात थी। देश के सभी राज्यों ने मिलकर 80 हजार करोड़ रुपए से जीएसटी कर की शुरूआत की थी। नए जीएसटी कानून के परिणामस्वरूप आज 80 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख रुपए करोड़ तक जीएसटी कलेक्शन पहुँचा है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत बनी है। उन्होंने कहा कि शोषण के लिए नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए कर आवश्यक हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि ये जीएसटी सुधार करदाता और सरकार के बीच एक सेतु साबित हुआ है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आई थी, तब 2.5 लाख रुपए तक की आय पर टैक्स में छूट थी। आज देश के नागरिक को 12 लाख रुपए तक की आय पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देना पड़ता। जब देश की जनता ने ईमानदारी से टैक्स जमा किया है, तब-तब प्रधानमंत्री ने टैक्स कम करने का काम किया है। इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, डिजिटल इंडिया और जैम (जनधन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी, ये सभी स्टार्टअप क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं। भारत नेट परियोजना के अंतर्गत भारत सरकार ने 2 लाख ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों से गुजरात स्टार्टअप क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में काम करते हुए देश भर में प्रथम रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विचार को साकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उनकी टीम के मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों ने साथ मिलकर गुजरात को स्टार्टअप क्रांति का केंद्र बनाया है। देश के शीर्ष पांच राज्यों में गुजरात में 16,000 स्टार्टअप हैं। अकेला अहमदाबाद शहर 6650 स्टार्टअप के साथ शीर्ष-4 की सूची में शामिल है। गुजरात राज्य लगातार चार वर्षों से स्टार्टअप क्षेत्र में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का खिताब जीत रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 में स्टार्टअप्स और युवाओं को प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और स्किल्ड वर्कफोर्स के अधिकतम उपयोग के जरिए भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया-मेड फॉर द वर्ल्ड' का विजन दिया है। भारत आज ग्लोबल स्टार्टअप स्पेस में एक नई उम्मीद के रूप में उभरकर सामने आया है, इसके पीछे आदरणीय प्रधानमंत्री का यह विशिष्ट विजन ही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन के फलस्वरूप मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे बड़े अभियान सफल हुए हैं। इसके कारण इंडस्ट्री, इकोनॉमी और स्टार्टअप्स सहित सभी क्षेत्रों को गति मिली है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेजी देने वाले डिफेंस सेक्टर में मेड इन इंडिया उत्पादों की मांग दुनिया के अन्य देशों में बढ़ गई है और भारत में बने शस्त्रों और सब-सिस्टम सहित सभी वस्तुओं को गत वर्ष 80 देशों को निर्यात किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक समय देश का खिलौना उद्योग आयात पर निर्भर था। प्रधानमंत्री ने मन की बात में स्वदेशी खिलौनों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया। इसके परिणामस्वरूप देश का खिलौना उद्योग अब वैश्विक बाजार में चमक रहा है और हमारे खिलौने दुनिया के 153 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीआई से डिजिटल लेनदेन के मामले में भी भारत अग्रणी देश है। आज छोटे से छोटा धंधा-रोजगार करने वाला व्यक्ति

पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) और पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (पीवीएनआरटीवीयू), राजेंद्रनगर, हैदराबाद के बीच पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने संबंधी एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

समझौता ज्ञापन पर सीसीआरएएस की ओर से सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद और पीवीएनआरटीवीयू की ओर से रजिस्ट्रार प्रो. ए. शरतचंद्र अमरावती ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में पीवीएनआरटीवीयू के कुलपति प्रो. एम. ज्ञान प्रकाश और सीसीआरएएस के उप महानिदेशक डॉ. नारायणम श्रीकांत सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया जिनमें पीवीएनआरटीवीयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. हरिकृष्ण, निदेशक, छात्र मामले डॉ. सतीश कुमार, डीन संकाय डॉ. एम. उदय कुमार, निदेशक, विस्तार डॉ. एम. किशन कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयलक्ष्मी, एसोसिएट प्रोफेसर, पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान विभाग डॉ. बीसम श्रीनिवास, तथा सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद के अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. साकेत राम थ्रीगुल्ला और डॉ. संतोष माने शामिल हुए।

समझौते के मुख्य बिंदु

संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रम: दोनों संस्थानों के संकाय, शोधकर्ता और वैज्ञानिक पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोगी परियोजनाएं आरंभ करेंगे, जिसमें ट्रांसलेशनल अनुसंधान (वैज्ञानिक खोजों के स्वास्थ्य संबंधी लाभकारी अनुप्रयोग) पशुधन प्रबंधन और पोषण, तथा पशुओं के लिए नवीन निदान और चिकित्सा के विकास पर जोर रहेगा।

ज्ञान और ढांचागत सुविधा साझा करना: संयुक्त समन्वय समिति (सीसी) के अनुमोदन से अनुसंधान ढांचे और पशु सुविधाओं तक पारस्परिक पहुँच होगी जिससे सहयोगात्मक कार्य के लिए विशेष संसाधनों का उपयोग बढ़ाया जा सकेगा।

छात्र और शिक्षकों का आदान-प्रदान: सीसीआरएएस के वैज्ञानिकों को पीवीएनआरटीवीयू में पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए सहायक संकाय या सह-मार्गदर्शक के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा और वहां के संकाय सीसीआरएएस में अपनी विशेषज्ञता सेवा देंगे। समझौता ज्ञापन के तहत पीवीएनआरटीवीयू के छात्रों को व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन और परियोजना कार्य के लिए सीसीआरएएस प्रयोगशालाओं में जाने की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त स्नातक छात्रों को खाद्य विज्ञान, स्वास्थ्य और अनुसंधान पद्धतियों में अनुसंधान अनुभव प्राप्त होगा।

प्रकाशन और बौद्धिक संपदा: शोध निष्कर्षों को ओपन-एक्सेस पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें दोनों संस्थानों के योगदानकर्ताओं को श्रेय दिया जाएगा। संयुक्त परियोजनाओं से उत्पन्न बौद्धिक संपदा पर संयुक्त स्वामित्व होगा, और योगदान के अनुसार आनुपातिक रूप से वित्तीय लाभ साझा किए जाएंगे।

आरंभ में पांच वर्षों के लिए यह गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पशु और मानव स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों के समाधान में आधुनिक पशु चिकित्सा विज्ञान को पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान के साथ समेकित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी से पशु कल्याण और पशुधन उत्पादन में नवीन समाधान प्राप्त होने की संभावना है, जिससे व्यापक "वन हेल्थ" अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा।

आयुष मंत्रालय ने एआईआईए गोवा में श्लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेदश विषय के साथ 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने आज अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा में 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह मनाया। इस कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल श्री अशोक गजपति राजू, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव और केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह समारोह आयुर्वेद को स्वास्थ्य और कल्याण की एक समग्र प्रणाली के रूप में बढ़ावा देने के मंत्रालय के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो स्थायित्व और प्राकृतिक जीवन पर आधारित है।

इस अवसर पर बोलते हुए, गोवा के राज्यपाल, श्री अशोक गजपति राजू ने आयुर्वेद के वैश्विक विकास का उल्लेख किया और कहा कि एक दशक से भी कम समय में, आयुर्वेद दिवस एक राष्ट्रीय अनुष्ठान से एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन में विकसित हो गया है। उन्होंने बताया कि अब 150 से ज्यादा देश इस दिवस को मनाते हैं और आयुर्वेद को न केवल एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में मान्यता देते हैं। श्री राजू ने इस वर्ष के विषय, "लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद" की प्रशंसा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के लिए समय अनुसार प्रासंगिक बताया। उन्होंने आयुर्वेदिक ज्ञान की प्रामाणिकता को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और नमस्ते पोर्टल तथा आयुष एचएमआईएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाया, जो पहुँच और साक्ष्य-आधारित अभ्यास को बढ़ा रहे हैं।

राज्यपाल ने आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की गोवा की क्षमता के बारे में भी बात की। उन्होंने एआईआईए गोवा में एकीकृत कैंसर विज्ञान इकाई (इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट) की स्थापना की सराहना की, जो टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ एक सहयोगात्मक पहल है। इसका उद्देश्य समग्र कैंसर देखभाल के लिए आयुर्वेद को आधुनिक कैंसर विज्ञान के साथ एकीकृत करना है। श्री राजू ने गोवा की जैव विविधता के साथ पारंपरिक चिकित्सा के सम्मिश्रण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय औषधीय पौधों का संरक्षण और संवर्धन रोजगार को बढ़ावा दे सकता है और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है। उन्होंने आयुर्वेदिक उपचारों के वैज्ञानिक सत्यापन की अपील की और अनुसंधान एवं परंपरा पर आधारित नैतिक संवर्धन पर जोर दिया।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने मोटापा, मधुमेह और तनाव जैसी बढ़ती जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने में आयुर्वेद की समकालीन प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिनचर्या और ऋतुचर्या की समय-परीक्षित अवधारणाएँ निवारक स्वास्थ्य सेवा के लिए स्थायी आदर्श प्रदान करती हैं। डॉ. सावंत ने मोटापे के बढ़ते प्रचलन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की चिंता का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुर्वेद दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए, संतुलित आहार, हर्बल औषधियाँ और योग जैसे सरल लेकिन शक्तिशाली उपाय प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने गोवा की समृद्ध जैव विविधता, विशेष रूप से पश्चिमी घाट और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला, जहाँ पौराणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित कई औषधीय पौधे पाए जाते हैं। उन्होंने वैश्विक आयुर्वेदिक अर्थव्यवस्था में गोवा की स्थिति को मजबूत करने के लिए इन पौधों पर शोध, संरक्षण और व्यावसायिक खेती बढ़ाने का आह्वान किया। डॉ. सावंत ने एक एकीकृत कैंसर विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए गोवा सरकार, टाटा मेमोरियल सेंटर और एआईआईए गोवा के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की घोषणा की।

फेस्टिवल सीजन में चेहरे पर बना रहेगा ग्लो, बस इन फेस पैक को करें ट्राई : शहनाज हुसैन

त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है नवरात्रें के बाद करवा चौथ और दिवाली जैसे पवित्र त्यौहार हमारे सामने हैं

फेस्टिव सीजन में हर कोई चाहता है कि उसका लुक निखरा हुआ हो और चेहरे पर खास चमक झलके ताकि त्योहारों की खुशी उनके चेहरे पर भी नजर आए। लेकिन बिजी शेड्यूल के कारण चेहरे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं इस वजह से उनकी स्किन में कई समस्या उत्पन्न हो जाती है

इस दौरान हम साल में सबसे ज्यादा व्यस्त रहते हैं पूजा पंडालों में देवी दर्शन के इलावा गरबा , डांडिया आदि में भागीदारी से सामाजिक मेल जोल निरन्तर बना रहता है

त्योहारों की शॉपिंग और तैयारियों में हम लोग ज्यादातर घरों से बाहर रहते हैं जिसे त्वचा धूल , प्रदूषण और सूर्य की किरणों के सम्पर्क में आने से डल और बेजान हो जाती है

ऐसे में पुराने समय से इस्तेमाल होने वाले घरेलू नुस्खे आज भी कारगर साबित हो सकते हैं वो भी बिना किसी साइड इफेक्ट के।।

1 -ग्लिसरीन फेस मास्क--

बराबर मात्रा में ग्लिसरीन और गुलाब जल को साथ मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर लगाने से त्वचा में नमी का सन्तुलन बना रहता है और त्वचा को पौषण मिलता है इसे लगाने के लिए आप बराबर मात्रा में गुलाब जल और ग्लिसरीन लें और अच्छे से मिक्स करें। रात को सोने से पहले इसे रुई की मदद से चेहरे पर लगा लें और सुबह ठंडे पानी से धो लें। इससे त्वचा कोमल और मुलायम दिखने लगेगी

1 चम्मच ग्लिसरीन में विटामिन ई कैप्सूल को तोड़कर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें और अपने चेहरे को धो लें।

आप इस मास्क को रोजाना लगा सकते हैं। यह आपकी स्किन को मॉइस्चराइज करेगा। इससे खुले पोर्स बंद होंगे और झुर्रियां कम होंगी और चेहरे पर नेचुरल ग्लो नजर आएगा

एक कांच के कटोरे में एक अंडे का सफेद भाग लें और इसे तब तक फेंटें जब तक कि यह झागदार न हो जाए।

इसके बाद इसमें एक चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगा लें।

पैक को चेहरे पर तब तक लगा रहने दे जब तक यह सूख न जाए और बाद में

गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें।

एक चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाएं और आधा घण्टा तक छोड़ दें। फिर सादे ताजे पानी से धो लें। इससे त्वचा कोमल होगी और आपके चेहरे पर निखार झलकेगा

2 --ओटमील मास्क--

ओट्स ग्लूटन फ्री होता है

ओटमील एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर और क्लींजर की तरह काम करता है

ओटमील की मदद से स्किन पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने में मदद मिलती है

ओटमील चेहरे के कालेपन को हटाकर रंगत में सुधार करता है

1 चम्मच ओटमील में 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल को अच्छे से मिक्स करने के बाद चेहरे पर लगाएं और आधा घण्टा बाद इसे ताजे साफ पानी से धो डालें इस फेस पैक के इस्तेमाल से कील ,मुहांसों और डेड स्किन की समस्या कम होगी और त्वचा में नमी का संतुलन बना रहेगा

कांच की कटोरी में 2 चम्मच पिसे हुए ओट्स, 1 चम्मच दही, और 1 चम्मच शहद को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें इस पेस्ट को आँखों के हिस्से को छोड़ कर बाकि चेहरे और गले के हिस्से में लगाकर प्रकृतिक रूप में सूखने दें जब मास्क सूख जाए तो इसे गुनगुने पानी से धो लें

2 चम्मच ओटमील, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच गुलाब जल को मिक्स करके फेस पैक तैयार करें और फिर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। शहद और ओटमील का ये फेस पैक स्किन को सॉफ्ट और हेल्दी बनाता है।

3 -पपीता फेस पैक --

एक कटोरी में पके हुए पपीते की कुछ स्लाइस को मैश कर लें।

इसके बाद आप इस मैश किए हुए पपीते में 1 चम्मच चंदन पाउडर डालकर दोनों को अच्छे से मिलाएं।

अब आप इस मिश्रण में 1 या 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल को आवश्यकता अनुसार गुलाबजल डाल कर अच्छे से मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें इस पैक को चेहरे और गर्दन पर अच्छे तरीके से लगा कर आधा घण्टा बाद गुनगुने पानी से धो डालें इस मास्क को नियमित रूप से लगाने से आपकी त्वचा में चमक आएगी और आपकी त्वगचा मुलायम होगी।

एक कटोरी में दो चम्मच के बराबर पपीता मैश कर के इसमें 2 चम्मच दही 1 चम्मच शहद और . 1 चम्मच चावल का आटा मिला लें सभी चीजों को अच्छे से मिला कर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर प्रकृतिक रूप से सूखने दें जब यह पूरी तरह सुख जाये तो चेहरे को ताजे साफ पानी से धो डालें इस फेस पैक को आप सप्ताह में दो तीन बार उपयोग कर सकते हैं

आधा कप मैश किया हुआ पपीता लेकर उसमें 2 चम्मच दही मिला लें इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट लगाएं और फिर धोकर हटा लें चेहरे को ठंडक मिलती है और स्किन निखरी हुई दिखती है

एक कप पिसे पपीते में आधा चम्मच हल्दी मिला कर चेहरे पर लगाए और 15 मिनट बाद चेहरे को धो डालें इस फेस पैक को लगाने पर स्किन को एंटी-बैक्टीरियल गुण भी मिलते हैं और यह त्वचा में निखार लाता है

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल द्वारा गहन टिकट जांच

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वड़ोदरा मंडल के लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

आज वड़ोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक की देखरेख में प्रेरित टिकट जांच दलों द्वारा विभिन्न ट्रेनों एवं स्टेशनों पर विशेष गहन टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले, अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों तथा बिना बुक किए गए सामान के मामलों को पकड़ा गया।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 141 मामलों से लगभग रु. 43,415 की अतिरिक्त आय रेलवे को प्राप्त हुई।

पश्चिम रेलवे यात्रियों से अपील करती है कि वे यात्रा से पूर्व सही टिकट अवश्य लें और रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। वैध टिकट के साथ यात्रा करना प्रत्येक यात्री का कर्तव्य है, जिससे सभी यात्रियों को सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

भारत के रेलवे स्टेशन पर पहली बार: अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर उबर की पहली साझेदारी

यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और निर्बाध गतिशीलता

अहमदाबाद मंडल, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित लास्ट माइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर भारतीय रेल ने उबर, जो भारत का अग्रणी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। यह पहल उबर का भारत में किसी रेलवे स्टेशन पर पहला एकीकरण है और यात्री सुविधा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करती है।

मंडल रेल प्रवक्ता ने विस्तृत माहिती देते हुए बताया की, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन, जो देश का सातवाँ सबसे बड़ा स्टेशन है, प्रतिदिन लगभग 1.2 लाख यात्रियों को सेवाएँ प्रदान करता है और वर्ष 2053 तक इसकी क्षमता 3 लाख यात्रियों प्रतिदिन तक पहुँचने का अनुमान है। इस सहयोग का उद्देश्य यात्रियों की गतिशीलता को और सुविधाजनक बनाना तथा यात्रा अनुभव को बेहतर करना है।

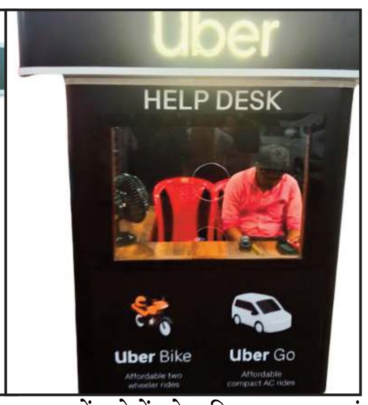

इस पहल के अंतर्गत उबर को स्टेशन परिसर के एक निर्धारित पार्किंग क्षेत्र का उपयोग दिया गया है, जो सीधे स्टेशन के मुख्य फुट-ओवर ब्रिज (ऋइ) से जुड़ा हुआ है। यह एकीकृत व्यवस्था यात्रियों और ड्राइवरों दोनों के लिए सुगम एवं सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करती है तथा स्टेशन के प्रवेश और निकास पर भीड़-भाड़ को कम करती है।

यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर ऑन-ग्राउंड टीमें एवं सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिनके माध्यम से यात्री आसानी से उबर की सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस व्यवस्था से जहाँ यात्रियों को विश्वसनीय और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा, वहीं ड्राइवरों को भी अधिक यात्रा अवसर मिलेंगे।

यह साझेदारी भारतीय रेल की मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन को सुदृढ़ बनाने और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो सरकार की आधुनिक, कुशल और यात्री-अनुकूल रेलवे अवसंरचना की दृष्टि के अनुरूप है।

भावनगर मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तत्परता से महिला यात्री को ₹75,000 कीमत की अंगूठी वापस मिली

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को हमेशा प्राथमिकता देते हैं। इसी क्रम में, भावनगर मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तत्परता से एक महिला यात्री को खोई हुई सोने की अंगूठी सुरक्षित रूप से वापस मिली, जिसकी अनुमानित कीमत ₹75,000/- है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 22 सितम्बर, 2025 (सोमवार) को सतारा (महाराष्ट्र) की रहने वाली महिला यात्री वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन में वेरावल से जूनागढ़ के लिए स्लीपर कोच S3 में यात्रा कर रही थीं। जूनागढ़ पहुँचने पर उन्हें पता चला कि उनकी सोने की अंगूठी ट्रेन में कहीं छुट गई अथवा गिर गई है।

महिला यात्री ने टिकट निरीक्षक कार्यालय में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्री हितेश चावड़ा को घटना की सूचना दी। तत्परता दिखाते हुए, उन्होंने ट्रेन में ऑन-ड्यूटी चल टिकट निरीक्षक श्री राहुल शर्मा से बात की तो श्री राहुल शर्मा ने महिला यात्री की सीट पर जाकर खोज की। उनके प्रयासों से अंगूठी वहीं मिली।

इसके बाद, दिनांक 23 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) को श्री राहुल शर्मा ने ट्रेन नंबर 11466 से अंगूठी लाकर महिला यात्री को जूनागढ़ में सौंप दिया। महिला यात्री ने अपनी मनपसंद और मूल्यवान अंगूठी सुरक्षित रूप से प्राप्त होने पर भावनगर मंडल के इन दोनों कर्मचारियों और रेल प्रशासन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की इस सराहनीय कार्यवाही की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और प्रोत्साहन दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-गोंडा सेक्शन और गोरखपुर-आनंद नगर सेक्शन पर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की ट्रेनें प्रभावित

मुंबई,

गोरखपुर-गोंडा खंड में गोरखपुर-डोमिनगढ़ स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के शुरू होने तथा पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-आनंद नगर खंड में गोरखपुर-नकहा जंगल स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य के चलते 22 से 26 सितंबर, 2025 तक ब्लॉक लिया जाएगा।

उपर्युक्त ब्लॉक के कारण 28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 27 सितंबर, 2025 को शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल निरस्त रहेगी।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत 60 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए

इस प्रमुख अभियान में अब तक 30 हजार से अधिक महिलाओं की जांच की गई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री द्वारा 17 सितंबर, 2025 को आरंभ किए गए केन्द्र सरकार के प्रमुख अभियान "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के कार्यान्वयन में सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमसी) ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए 60 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए हैं। सेना अस्पतालों के माध्यम से 23 सितंबर, 2025 तक लगभग 30 हजार महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई है। इनमें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच और मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुख कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों की जांच के लिए विभिन्न चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रसवपूर्व देखभाल, पोषण परामर्श और टीकाकरण तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर भी उचित ध्यान दिया जा रहा है।

अन्य स्वास्थ्य पहल में विभिन्न सेना मुख्यालयों और प्रशासनिक प्राधिकरण द्वारा मिलकर संचालित किए जा रहे मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान, किशोर अवस्था स्वास्थ्य सत्र और स्कूली बच्चों के लिए पोषण संबंधी सत्र शामिल हैं। इस अभियान का अभिन्न अंग रक्तदान शिविर और अंगदान तथा रक्तदान पर जागरूकता अभियान भी है। नागरिक और रक्षा स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का यह अनूठा समन्वय-स्वस्थ, सशक्त परिवार और एक सुदृढ़ राष्ट्र की आधारशिला के रूप में स्वस्थ महिला के रहने के सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

केन्द्र सरकार का यह प्रमुख एकीकृत महिला एवं स्वास्थ्य परिवार कार्यक्रम जन-पहुंच के एक मॉडल के रूप में देश भर में लोकप्रिय हो रहा है। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा का महिलाओं के स्वास्थ्य में योगदान-सेवाओं के अंतर्गत और सामुदायिक पहुंच के दृष्टिगत विकसित भारत 2047 का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सैन्य चिकित्सा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के बीच बेहतर समन्वय को दशार्ता है।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं (एएफएमएस), अपने आदर्श वाक्य "सर्वे सन्तु निरामया" की प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान को सक्रियता से संचालित कर रही है और इसके सुदृढ़ कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एएफएमएस के अंतर्गत सैन्य अस्पताल, "संपूर्ण राष्ट्र" दृष्टिकोण के अनुरूप, सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों के साथ ही जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के दूर-दराज के क्षेत्रों में नागरिक समुदाय के लिए डॉक्टरों, नर्सों और विशेषज्ञों की टीम के साथ निवारक, प्रोत्साहनात्मक और उपचारात्मक सेवाएं संचालित करने में अग्रणी रहे हैं।

25 और 26 सितंबर को रेलवे क्रॉसिंग नं. 10-SPL नरोड़ा GIDC फाटक बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के असारवा-हिम्मतनगर सेक्शन में डभोड़ा-नरोड़ा स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 10 रढछ नरोड़ा GIDC फाटक किमी 399/2-3 मरम्मत एवं रखरखाव कार्य हेतु 25 सितंबर 2025 को प्रातः 08:00 बजे से 26 सितंबर 2025 को 20:00 बजे तक बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रिंगरोड रोड ओवर ब्रिज (ROB) और नरोड़ा रोड ओवर ब्रिज (ROB) से आवागमन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर डिपो द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 मनाया गया

मुंबई,

मुंबई सेंट्रल टीम ने स्क्रैप से लोकोमोटिव मॉडल तैयार कर सृजनशीलता और सतत विकास की मिसाल पेश की

मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर सेंटर द्वारा नवपरिवर्तन और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक अनूठी "बेस्ट फ्रॉम वेस्ट" पहल शुरू की गई है। इस टीम ने एक लोकोमोटिव का एक जटिल मॉडल सफलतापूर्वक तैयार किया है—जो पूरी तरह से बेकार और बेकार सामग्री से बनाया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रेरक पहल न केवल मुंबई सेंट्रल टीम की असाधारण रचनात्मकता और शिल्प कौशल को दशार्ती है, बल्कि सतत विकास के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। अप्रयुक्त वस्तुओं को गर्व के प्रतीक के रूप में पुनः उपयोग करके टीम ने रीसाइक्लिंग और संसाधनशीलता की अपार क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह मॉडल अब कोच केयर सेंटर में गर्व से खड़ा है, जो "रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल" के सिद्धांतों का प्रमाण है, जो दूसरों को अपने दैनिक कार्यों में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत सरकार के "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अनुरूप, यह प्रयास इस शक्तिशाली संदेश को रेखांकित करता है कि नवाचार के नजरिए से कचरे को सार्थक और प्रेरणादायक बनाया जा सकता है। इस पहल को चारों ओर से सराहना मिली है और यह एक प्रेरक उदाहरण है कि कैसे रचनात्मकता और सामूहिक प्रयास से प्रेरित छोटे-छोटे कार्य पर्यावरण और समाज दोनों के लिए प्रभावशाली परिणाम ला सकते हैं।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए निबंध, ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

मुंबई, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की कार्यकारी समिति द्वारा पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीना गुप्ता के नेतृत्व में मुंबई के चर्चगेट स्थित गोडबोले हॉल में पश्चिम रेलवे मुख्यालय के रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए 14 सितंबर, 2025 को निबंध प्रतियोगिता और 21 सितंबर, 2025 को ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में 150 से अधिक बच्चों ने पूरे उत्साह और लगन से भाग लिया।

पहली तस्वीर में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की अध्यक्षा श्रीमती नीना गुप्ता 14 सितंबर, 2025 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के साथ दिखाई दे रही हैं। दूसरी और तीसरी तस्वीरें 22 सितंबर, 2025 को आयोजित ड्रॉइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों की झलकियाँ हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निबंध और ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएँ मुख्यालय सहित पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों में एक ही दिन आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विषय आयु वर्ग के अनुसार सभी मंडलों में एक समान थे, जिससे एकरूपता सुनिश्चित हुई। इन प्रतियोगिताओं को सभी मंडलों में भारी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और प्रतिभागियों ने उच्च स्तर की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया।

निबंध प्रतियोगिता के लिए 6-9 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मेरा पसंदीदा व्यंजन या मेरे दादा-दादी के घर पर एक मजेदार दिन। 10-12 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मैं अपना रविवार कैसे बिताता हूं या मेरा पसंदीदा भारतीय त्योहार। 13-15 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - क्या एआई भविष्य के लिए खतरा बनेगा या लाभदायक? या 2047 में भारत के बारे में मेरा विजन। ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 6-9 वर्ष आयु वर्ग के के लिए विषय थे - पारिवारिक सैर या मेरा पसंदीदा जानवर। 10-12 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मेरा सुपर हीरो या अंतरिक्ष यान या अंतरिक्ष यात्री। 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - आपकी पसंद का त्योहार (उत्सव) या जानवरों के साथ जंगल का दृश्य।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती नीना गुप्ता और अन्य कार्यकारी सदस्यों ने बच्चों की भागीदारी और रचनात्मकता की सराहना की। प्रशंसा स्वरूप, सभी बच्चों को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा की ओर से उपहार प्रदान किए गए। क्षेत्रीय स्तर के विजेताओं को एक साथ समूहबद्ध किया जाएगा और चयनित विजेता भारतीय रेल के सभी प्रतिभागियों में से राष्ट्रीय स्तर के विजेता बनेंगे।

अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास में बड़ी उपलब्धि: प्लेटफार्म 8/9 पर सबस्ट्रक्चर का काम रिकॉर्ड 70 दिनों में पूरा किया

सबस्ट्रक्चर कार्य में इतनी सामग्री का उपयोग किया जिससे आठ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स बनाए जा सकते हैं

प्लेटफॉर्म 8 ट्रेन संचालन हेतु पुनः शुरूः नवजीवन एक्सप्रेस, एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, गुजरात क्वीन एक्सप्रेस और गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस पुनः अहमदाबाद से प्रारम्भ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में रेल भूमि विकास प्राधिकरण (फ्छउ्अ) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह परियोजना अहमदाबाद शहर को एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय स्टेशन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिसमें यात्रियों को हवाई अड्डे जैसी सुविधाएं मिलेंगी और उनका स्टेशन पर अनुभव पूरी तरह बदल जाएगा।

इस परियोजना के तहत, 5 जुलाई 2025 से प्लेटफॉर्म नंबर 8 और 9 पर 70 दिनों का मेगा ब्लॉक लिया गया था, ताकि एक विशाल कांक्रीट कॉन्कोर्स का निर्माण किया जा सके, जिसकी लंबाई 503 मीटर और चौड़ाई 140 मीटर है। यह कॉन्कोर्स प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 9 तक फैला हुआ है और इसका उद्देश्य यात्रियों को सभी प्लेटफॉर्मों पर निर्बाध आवाजाही की सुविधा देना है।

इस ब्लॉक के दौरान प्लेटफॉर्म 8 और 9 पर सब-स्ट्रक्चर निर्माण का कार्य रिकॉर्ड 70 दिनों में पूरा किया गया, जो भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर इतनी कुशलता और समयबद्धता के साथ किया गया है। इस दौरान कुल 146 पाइल, 38 पाइल कैप और 76 पेडेस्टल तैयार किए गए। 4,800 घन मीटर कंक्रीट और 510 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसके अलावा, 4 लिफ्ट पिट और 4 एस्केलेटर पिट भी बनाए गए।

इस निर्माण की गुणवत्ता और परिमाण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इतनी सामग्री से आठ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स बनाए जा सकते हैं। इस कार्य में एक खास पाइल कैप (40 मीटर ७ 8 मीटर आकार का) भी शामिल है, इसमें 20 पाइल, 10 पेडेस्टल और 2 लिफ्ट पिट शामिल हैं। यह संरचना आने वाले समय में बनने वाले कॉन्कोर्स की मजबूती और टिकाऊपन की नींव बनेगी।

सब-स्ट्रक्चर निर्माण कार्य के बाद प्लेटफॉर्म 8 को ट्रेनों के संचालन हेतु पुनः खोला गया है, जिससे नवजीवन एक्सप्रेस, एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, गुजरात क्वीन एक्सप्रेस और गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों को अन्य स्टेशनों से वापस अहमदाबाद स्टेशन पर स्थानांतरित किया गया है। इससे यात्रियों को वटवा, मणिनगर, या आसारवा जैसे वैकल्पिक स्टेशनों पर जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

प्लेटफॉर्म 8 पर अस्थायी रूप से यात्रियों की सुविधा हेतु कवर शेड, पेयजल व्यवस्था, साइन बोर्ड इत्यादि मूलभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माण के दौरान स्टेशन के दक्षिणी क्षोर पर एक नया 6 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया गया है, जिसे मौजूदा लिफ्ट से जोड़ा गया है ताकि प्लेटफार्मों के बीच सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

पश्चिम रेलवे और फ्छउ्अ इस ऐतिहासिक परियोजना को समय पर, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। यह पुनर्विकास न सिर्फ अहमदाबाद शहर के लिए, बल्कि देशभर के रेलवे यात्रियों के लिए एक नई मिसाल पेश करेगा।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे के संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने वडोदरा मंडल के दो रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार अगस्त 2025 के दौरान ड्यूटी पर रहते हुए सतर्कता दिखाने और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी (1) श्री लक्ष्मी नारायण, पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के 'टिंबा रोड' में (ट्रैकमैन क),के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 25.07.25 को लाइन गश्ती के दौरान समय 8:50 पर किलोमीटर 56/21 -23 के अप लाइन में जाते समय उन्होंने देखा की पटरी में क्रैक है उन्होंने अपने साथी कीमैन को दिखाया और कीमैन से इसकी पुष्टि कराई तभी कीमैन को पता था कि गोधरा आनंद मेमू का आने का समय है उन्होंने लाल झंडी एवं पटाखा लेकर गाड़ी की तरफ भागे इसी दौरान उन्होंने गेटमैन के द्वारा स्टेशन मास्टर को सूचना दी और सूचना देकर गाड़ी को खड़ा करवाया उसके बाद साथी कर्मचारी और उन्होंने मिलकर,ड्ढ़ी पाटा और ूस्र बांधकर लाइन को सुरक्षित किया और गाड़ी को रोक कर और 10 ेस्रँ के गति प्रतिबंध से पास कराया ।

इस प्रकार श्री नारायणने सतर्क रहकर एक असामान्य घटना को टाला और रेलवे संपत्ति को बड़े नुकसान से बचाया।

(2) श्री रतनसिंह वागलाभाई मुढेल 'गोधरा' में (ट्रैकमैन क्कक), के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 14.08.2025 को श्री रतनसिंह वागलाभाई मुढेल छउ-38 पर गेटमैन के रूप में काम करते समय उन्होंने मालगाड़ी के इंजन से धुआं निकलते देखा। उन्होंने ट्रेन को लाल झंडी दिखाई और तुरंत स्टेशन मास्टर झ्र खरसालिया को 08:42 बजे सूचित किया। स्टेशन मास्टर ने ट्रेन रोक दी और इंजन अलग करके ट्रेन को रवाना कर दिया।

उनकी सतर्कता और त्वरित कार्यवाही ने एक संभावित गंभीर दुर्घटना को टाल दिया और रेलवे संपत्ति को बड़े नुकसान से बचाया।

महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि कोच/इंजन के नीचे धुएँ और चिंगारी का पता लगाना, ट्रैक में फ्रैक्चर आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्मचारियों पर गर्व है, जो विषम परिस्थितियों में भी धैर्य और समझदारी के साथ कार्य करते हैं और रेल संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना है, बल्कि यह पश्चिम रेलवे की उस संस्कृति को भी प्रतिबिंबित करता है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

कोर्ट में विचाराधीन जमीन पर दबंगों का धावा, पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल!

राजधानी लखनऊ में कानून का राज कैसे बेबस है, इसकी एक बानगी गाजीपुर थाना क्षेत्र के मुंशी पुलिया इलाके में देखने को मिली। एक जमीन का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद, दबंगों ने न सिर्फ उस पर कब्जा करने की कोशिश की, बल्कि पुलिस के सामने भी अपनी मनमानी जारी रखी।

मामले का मुख्य किरदार राजाराम नामक व्यक्ति है, जिसने अपने वकील और आधा दर्जन लोगों के साथ मिलकर, एक महिला की दुकान को जबरन खाली कराने का प्रयास किया।

यह विवाद 13 सितंबर को शुरू हुआ, जब राजाराम ने मुंशी पुलिया चौकी पहुंचकर, चौकी इंचार्ज अभिषेक पांडे के सामने, महिला पर दबाव बनाया। पांडे ने जब अदालत का आदेश मांगा, तो राजाराम के पास कोई जवाब नहीं था और उसे वापस लौटना पड़ा।

लेकिन, दबंगों के हौसले पस्त नहीं हुए। 25 सितंबर को, वे फिर से दुकान पर पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू कर दी। पीड़िता ने तुरंत डायल 112 पर मदद मांगी, लेकिन जो पुलिस टीम मौके पर पहुंची, उसने कार्रवाई करने के बजाय पीड़िता को ही दुकान खाली करने का आदेश दिया।

जब चौकी इंचार्ज पांडे खुद मौके पर पहुंचे, तो उनकी सख्ती देखकर राजाराम और उसके साथी फरार हो गए। हालांकि, इस बीच दुकान में हुई तोड़फोड़ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी का नतीजा था कि शाम होते-होते, राजाराम अपनी हिम्मत जुटाकर गोमती नगर से डायल 112 की एक और टीम के साथ वापस आ गया।

इस बार भी, जब पुलिस को पता चला कि मामला कोर्ट में है, तो उन्होंने सिर्फ हिदायत देकर उन्हें वापस भेज दिया। पीड़ित महिला को अब भी जानलेवा हमला और लूटपाट का डर सता रहा है। यह घटना दशार्ती है कि जब कानून और व्यवस्था को लागू करने वाले ही लापरवाह हो जाएं, तो आम नागरिकों के लिए न्याय पाना कितना मुश्किल हो जाता है।

महिला विशेष सृजन में पुरुष कवि लापता

यू पी प्रेस क्लब व उ प्र साहित्य सभा द्वारा 161 वां सृजन सम्मान समारोह आज नवरात्रि महिला विशेष मनाया गया। आज महिला साहित्यकारों का सम्मान एवं सिर्फ कवियित्रियों ने ही काव्यपाठ किया।

राष्ट्रगान के साथ प्रारम्भ हुए समारोह में रविन्द्र सिंह, हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना व शिवशरण सिंह ने

सृजन हिंदी सम्मान- श्रीमती शीतल बाजपेयी

सृजन उर्दू सम्मान- डॉ सबा बलरामपुरी

को सृजन सम्मान से सम्मानित किया। डॉ सुधा मिश्रा के संयोजन व संचालन में वर्षा श्रीवास्तव की वाणी वंदना से शुरू हुए काव्य समारोह में निधि बाजपेई (कानपुर), जहाँ आरा, मनोरमा श्रीवास्तव, रश्मि शरद(हरदोई), रेनु सिंह, डॉ सुरभि सिंह ममता पंकज, रश्मि सिन्हा, निशा नवल, रेनु द्विवेदी ने काव्यपाठ किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ सर्जन डॉ रुद्रमणि, वरिष्ठ कवि राजीव वर्मा वत्सल, पंकज प्रसून, डॉ अवधी हरि, डॉ सुभाष रसिया, निर्भय निश्छल आदि ही विशेष रूप से उपस्थित थे।

चूंकि आज सृजन नवरात्रि विशेष में सिर्फ महिलाओं का काव्यपाठ था इसलिए श्रोताओं के रूप में आमन्त्रित पुरुष साहित्यकारों की उपस्थिति बहुत ही कम रही। इस बात पर सृजन के संस्थापक सर्वेश अस्थाना ने ठहाकों के साथ पुरुषों की मानसिकता पर खूब चुटकियां ली।

फेडरेशन ऑफ उत्तर प्रदेश कैटरर्स की हुई शुरूआत, कैटरिंग उद्योग को मिलेगा नया आयाम

उद्देश्य भोजन की बबार्दी रोकना और जरूरतमंदों की मदद करना होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैटरिंग पेशेवरों को एक साझा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ उत्तर प्रदेश कैटरर्स की स्थापना हो गई है। अध्यक्ष तरुण साहनी ने बताया कि 40झ्र50 वर्षों के अनुभव रखने वाले वरिष्ठ उद्योग विशेषज्ञों द्वारा गठित यह संगठन कैटरिंग क्षेत्र को शिक्षा, सहयोग और संरचित सहायता के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

सचिव सुधीर टंडन ने बताया कि हमारा संगठन कैटरिंग की मूलभूत बातें, टैक्सेशन, बजटिंग और कॉस्टिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देने का काम करेगा।

कोषाध्यक्ष काजी अख्तर मसूद ने कहा कि कैटरर्स और उनके सहयोगी विक्रेताओं के बीच तालमेल को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

यह संगठन प्रमुख लक्ष्य राज्यभर के कैटरर्स को नियामक समर्थन और संरक्षण उपलब्ध करायेगा। इसके तहत यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि कैटरिंग सेवाओं के समापन के लिए एक संरचित समयसीमा तय हो, जिससे कर्मचारियों के हित और स्वास्थ्य की सुरक्षा हो सके।व्यावसायिक विकास के साथ-साथ महासंघ ने सामाजिक जिम्मेदारी पर भी जोर दिया है। इसने ईश्वर फाउंडेशन और रॉबिन हुड आर्मी के साथ साझेदारी कर फूड बैंक बनाने की पहल की है, जिसका उद्देश्य भोजन की बबार्दी रोकना और जरूरतमंदों की मदद करना है।

कानपुर रोड स्थित रमाडा होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संयुक्त सचिव अभिजीत श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष राहुल जायसवाल,अबू बकर ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सिरसी में शहवार फात्मा के चेहलुम पर मजलिस आयोजित मौलाना शाहिद हसन रिजवी ने मजलिस को खिताब किया

सम्भल। सिरसी मौहल्ला शर्की निवासी शायर मीर सादिक सिरसीवी पुत्र श्री मुमताज हैदर मरहूम की बड़ी बहन शहवार फात्मा पत्नी श्री मौलाना अकरम अब्बास जैदी का 43 वर्ष की आयु में 5 अगस्त को ईरान में अचानक निधन हो गया था।

उनके ईसाले सवाब के लिए चेहलुम की मजलिस इमाम बारगाह मोहल्ला सादात में आयोजित हुई मजलिस में मर्सिया अजमल सिरसीवी और साथियों ने पड़ा पेशखानी अली सल्लमहु,मोहम्मद मेहदी, हादी सिरसीवी,डॉक्टर मुस्तकीम,शारिब बाकरी,नश्तर सिरसीवी,नय्यर बिजनोरी (एडिटर दैनिक कलम हिंदुस्तानी अखबार) और हिंदुस्तान के मशहूर ओ मारूफ शायर मीर नजीर बाकरी ने संचालन हसन मेहदी सिरसीवी ने किया मजलिस मुंबई से आए हुए मौलाना शाहिद हसन रिजवी ने अपने मखसूस अंदाज में खिताब किया और फजाइले एहलेबैत और करबला के मसाईब बयान किए मजलिस के बाद फातिहा खानी और नियाज का एहतमाम किया गया और मुल्क में अमन वा शांति की दुआ की गई

मजलिस में बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे

श्रीराम फाइनेंस ने 'फोकस यूपी' कार्यक्रम किया लॉन्च

उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने का लक्ष्य

लखनऊ, 23 सितंबर 2025: उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के इरादे से, श्रीराम ग्रुप की प्रमुख कंपनी और भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी में से एक, श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने आज अपनी ह्यफोकस यूपीह्ण रणनीति की घोषणा की जो उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी पहुंच को विस्तार देने की एक व्यापक योजना है।ह्यफोकस यूपीह्ण रणनीति के चार प्रमुख स्तंभः व्यक्तिगत आवागमन को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए किफायती दोपहिया ऋण ।छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को समर्थन देने के लिए एमएसएमई ऋण में बढ़ोतरी ।सुरक्षित क्रेडिट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गोल्ड लोन की पेशकश में विस्तार ।नए और पुराने दोनों तरह के कमर्शियल वाहनों के लिए आसानी से उपलब्ध कमर्शियल वाहन लोन ।यह पहल राज्य भर में ग्राहकों की भागीदारी को गहरा करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जो उत्तर प्रदेश की तेज आर्थिक गति और वित्तीय सेवाओं की मौसमी मांग को ध्यान में रखती है।

त्योहारी सीजन की पेशकशः श्रीराम आउटस्टैंडिंग नेटवर्क डील्स (SOND) श्रीराम फाइनेंस ने व्यक्तिगत गतिशीलता को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विशेष दोपहिया ऋण योजनाएं शुरू की हैं:ट्रिपल जीरो स्कीमः कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं, कोई दस्तावेज शुल्क नहीं, और जीरो अग्रिम ईएमआई लो ईएमआई स्कीमः मासिक किस्तें ₹1,999 से शुरू 100% एलटीवी स्कीमः ऑन-रोड कीमत का 100% तक ऋण कम ब्याज दर स्कीमः 7.99% प्रति वर्ष से शुरू निल पीएफ स्कीमः शुन्य प्रोसेसिंग और दस्तावेज शुल्क लचीली अवधिः 60 महीनों तक की पुनर्भुगतान विकल्प स्थानीय उद्यमों को सशक्त बनानाः क्लस्टर आधारित एमएसएमई ऋण उत्तर प्रदेश की उद्यमशीलता क्षमता को पहचानते हुए, श्रीराम फाइनेंस छोटे और सूक्ष्म व्यवसायों को लक्षित करते हुए क्लस्टर आधारित रणनीति के माध्यम से अपने एमएसएमई ऋण पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा। प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं:वस्त्र और हस्तशिल्प चमड़ा उद्योग कृषि प्रसंस्करण और पैकेजिंग आईटी सेवाएं और सॉफ्टवेयर विकास यह

क्षेत्र-आधारित रणनीति स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है।श्री जी. एम. जिलानी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, "उत्तर प्रदेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। FY26 की पहली तिमाही में हमारे सभी लेंडिंग सेगमेंट में हुई मजबूत वृद्धि – खासकर कमर्शियल वाहन और दो-पहिया वाहन लोन में – से पता चलता है कि क्रेडिट की उत्तर प्रदेश में मांग और आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। गोल्ड लोन में तीन गुना वृद्धि से पता चलता है कि हमारे ब्रांच नेटवर्क के माध्यम से सुरक्षित क्रेडिट पर ग्राहकों का भरोसा बढ़ रहा है।"

माइक्रो-ग्रिड विस्तार रणनीति राज्य के बढ़ते सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचे के अनुरूप, श्रीराम फाइनेंस अपनी ह्यफोकस यूपीह्ण रणनीति के तहत एक माइक्रो-ग्रिड रणनीति लागू कर रहा है, ताकि उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्रों में अपनी पहुंच बढ़ाई जा सके। इस पहल से कमर्शियल वाहनों के लिए फाइनेंस आसानी से उपलब्ध होगा, और नए और पुराने दोनों तरह के वाहनों के फाइनेंस को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता फोकस यूपी' रणनीति, श्रीराम फाइनेंस की वित्तीय समावेशन, पहुंच और समुदाय को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है; खासकर उन क्षेत्रों में जहां बैंकिंग सुविधाएं कम हैं या सेवाएं नहीं पहुंच पातीं।

सिविल डिफेंस के नवनियुक्त डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह का किया भव्य स्वागत

लखनऊ, 23 सितंबर 2025

निःस्वार्थ सेवा भाव से निरंतर सामाजिक कार्यों एवं सिविल डिफेंस में अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले नागरिक सुरक्षा प्रखण्ड राजाजीपुरम के नवनियुक्त डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सिविल डिफेंस के सेक्टर वार्डेन मुकेश कुमार निगम, मयंक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सत्य प्रकाश शर्मा, अभिनव खंडेलवाल, सोनम सिंह, विनय कुमार, जितेन्द्र अरोड़ा, शुभम श्रीवास्तव, अमान खान, अमोघ लहरी, अमित वर्मा, रजत राजपूत, मीतू सिंह आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित किया और नियंत्रक एवं जिलाधिकारी विशाख जी, चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा, उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टॉफ ऑफिसर ऋतुराज रस्तोगी, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, एडीसी मुकेश कुमार का आभार व्यक्त किया।

मेदांता लखनऊ ने बनाया रोबोटिक सर्जरी का नया कीर्तिमान, एक साल में कीं 509 सर्जरी

लखनऊ, 23 सितंबर, 2025: चिकित्सा के क्षेत्र में मेदांता लखनऊ हॉस्पिटल ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। बीते एक साल में हॉस्पिटल ने कुल 509 रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं, जो भारत में किसी भी निजी अस्पताल द्वारा इस समय में की गई सबसे ज्यादा रोबोटिक सर्जरी हैं। यह उपलब्धि मेदांता लखनऊ के चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीक का इस्तेमाल और विशेषज्ञ डॉक्टर्स की दक्षता का प्रमाण है। इन सर्जरी में विभिन्न विभागों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। गायनकॉलजी विभाग ने 219 सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) सर्जरी विभाग ने 137, यूरोलॉजी विभाग ने 109, कार्डियक विभाग ने 23 और अन्य विभागों ने 21 सर्जरी रोबोटिक तकनीक से कीं। इस अवसर पर मेदांता द्वारा मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में मेडिकल डायरेक्टर व डायरेक्टर यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट डॉ. राकेश कपूर, डॉ. अनीश श्रीवास्तव, डॉ. मनमीत सिंह, डायरेक्टर गायनकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स डॉ. नीलम विनय, डायरेक्टर जीआई सर्जरी डॉ. आनंद प्रकाश और डॉ. संदीप वर्मा, डायरेक्टर कैंसर केयर एंडोक्राइन एंड ब्रेस्ट सर्जरी डॉ. अमित अग्रवाल, और डॉ रोमा प्रधान, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरंगा मजूमदार, सीनियर कंसल्टेंट लिवर ट्रांसप्लांट विवेक गुप्ता, कंसल्टेंट

पीडीयाट्रिक सर्जरी एंड यूरोलॉजी डॉ. अन्वेषा चक्रवर्ती और डॉ श्यामेदंर शर्मा शामिल रहे।

इस उपलब्धि पर मेदांता लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि 509 रोबोटिक सर्जरी का यह रिकॉर्ड मेदांता की बेहतरीन व्यवस्था और इनोवेशन के लिए हमारा कमिटमेंट दिखाता है। हमारी मॉडर्न रोबोटिक तकनीक और चिकित्सकों की कुशल टीम ने मरीजों को सटीक, सुरक्षित और तेजी से रिकवर करने वाली वाली सेवाएं दी हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर मरीज को बेहतर उपचार मिले और हम इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

रोबोटिक सर्जरी से आसान हुईं मरीजों की राहें

स्त्री रोगों में रोबोटिक सर्जरी की बात की जाए तो यह संख्या सबसे अधिक है। इसमें महिलाओं के गर्भाशय, अंडाशय, फैलोपियन ट्यूब आदि से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए मिनिमली इनवेसिव तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। यूटरीन फाइब्रॉइड्स, एंडोमेट्रियोसिस, पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स, हैवी ब्लीडिंग/मेनोरेजिया, एडनेक्सल डिजीज, एडनेक्सल डिजीज और गायनिक कैंसर की समस्या से ग्रसित महिलाओं की रोबोटिक सर्जरी से न सिर्फ तेजी रिकवरी होती है

इसके अलावा रोबोट की मदद से प्रोस्टेट कैंसर, किडनी कैंसर और किडनी ट्रांसप्लांट के मरीजों को ट्रीट किया जाता है। अक्सर लोगों में यह धारणा होती है कि प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी के बाद यूरिन लीकेज होता है या पूरी तरह से प्रोस्टेट नहीं निकल पाता है लेकिन रोबोटिक सर्जरी की मदद से प्रोस्टेट में न सिर्फ सटीक टांके लगाने में मदद मिलती है बल्कि तेजी से रिकवरी भी होती है। ठीक ऐसे ही किडनी के ट्यूमर में पहले पूरी किडनी निकालनी पड़ती थी लेकिन अब रोबोटिक तकनीक से किडनी बचा पाना संभव हो गया है।

गैस्ट्रो में रोबोटिक सर्जरी की बात की जाए तो पेट से जुड़ी बीमारियों में रोबोट की मदद से सर्जरी बेहद कारगर साबित हो रही है। इसमें पेट का कैंसर, ग्रासनली का कैंसर, हायटल हर्निया और एसिड रिफ्लक्स, आंतों के कैंसर, पैंक्रियाटिक कैंसर, लिवर/बाइलरी कैंसर और गॉलब्लैडर को हटाना शामिल है। पेट से जुड़े ट्यूमर और कैंसर के प्रभावी इलाज में रोबोटिक सर्जरी बेहद कारगर साबित हो रही है। इस अलावा हृदय रोग में भारत में हर साल लगभग 2 से 2.5 लाख बायपास सर्जरी होती हैं। रोबोटिक तकनीक अब उन मरीजों के लिए उम्मीद बनकर आई है जो पारंपरिक ऑपरेशन से डरते हैं। इसमें डॉक्टर्स को भी शारीरिक थकावट नहीं होती और एक दिन में ज्यादा सर्जरी कर पाना भी मुमकिन हो पाता है। इसके अलावा रोबोटिक तकनीक के माध्यम से पीडियाट्रिक और ऑर्गन ट्रांसप्लांट में भी बहुत मदद मिल रही है।

मराठी स्टार सांची भोयर ने खोला राज - कलर्स के 'बिंदी' में हिंदी टीवी डेब्यू के लिए सीखी मथुरा की ब्रजभाषा

कहा जाता है कि भाषा ही संस्कृति का नक्शा होती है। मराठी धारावाहिक इंद्रायणी से दर्शकों का दिल जीत चुकीं बाल कलाकार सांची भोयर के लिए मथुरा की ब्रजभाषा सीखना उनके पहले हिंदी लीड शो कलर्स के ह्यबिंदीह्ण का अहम हिस्सा बन गया। राधिका मुथुकुमार के साथ नजर आने वाले इस शो में कहानी एक ऐसी बच्ची की है, जिसका जन्म जेल की सलाखों के पीछे हुआ और जो माँ काजल के प्यार में पली-बढ़ी। लेकिन जब वह बाहरी दुनिया से टकराती है, तो उसे नए संघर्षों और सपनों का सामना करना पड़ता है। मथुरा की पृष्ठभूमि पर आधारित इस शो में ब्रजभाषा की गूंज अहम है, इसलिए सांची का इसे सीखना उनके किरदार के लिए बेहद जरूरी था। ब्रजभाषा में बात करने से बिंदी के लिए न केवल मथुरा का होना सार्थक लगने लगा बल्कि उसके सपने और चुनौतियां भी उसे वास्तविक लगीं, भले ही वह स्कूल जाना हो या अपनी मां की आजादी के लिए संघर्ष करना।

बिंदी का किरदार निभा रहीं सांची भोयर ने साझा किया, ह्लयह मेरा पहला हिंदी टीवी शो है, इसलिए सबकुछ मेरे लिए नया और रोमांचक है। बिंदी को निभाने के लिए मुझे सिर्फ. उसकी भावनाएँ समझनी नहीं थीं, बल्कि मथुरा में बोली जाने वाली ब्रजभाषा भी सीखनी थी। शुरूआत में यह मुश्किल था क्योंकि इसके शब्द और लहजा, मराठी और हिंदी दोनों से अलग हैं। लेकिन जब हम मथुरा में शूट कर रहे थे, तो मैंने सीधे वहाँ के लोगों से शब्द सीखना शुरू किया। जैसे ह्लराधे-राधेह्ण कहकर अभिवादन करना या राधिका मैम (जो मेरी ऑन-स्क्रीन माँ का किरदार निभा रही हैं) को ह्लमैयाह्ण कहकर बुलाना, मुझे सचमुच बिंदी की दुनिया का हिस्सा बना देता था। इन छोटे-छोटे शब्दों ने बिंदी को मेरे लिए असली बना दिया, और मुझे लगता है कि मेरी यह मेहनत दर्शकों को भी उसकी दुनिया से जोड़ देगी।ह्व

देखिए, बेटी की जुझारू आत्मा और माँ का अटूट प्यार, जो तोड़ देता है हर बंधन—ह्लबिंदीह्ण, हर रोज रात 8:30 बजे सिर्फ. कलर्स पर

लोकल फॉर वोकल पर केन्द्रित ' प्रगति महोत्सव -2025' आज से

- 9 दिवसीय होगी प्रद् युम्न आचार्य जी महाराज की राम कथा

लखनऊ, 23 सितम्बर 2025। प्रगति इवेंट के तत्वावधान में 24 सितम्बर 2025 से 26 अक्टूबर 2025 तक " प्रगति महोत्सव-2025" का आयोजन सेक्टर-एम, आशियाना लखनऊ (आशियाना गुरुद्वारे के बगल) में होगा। इस बात की जानकारी आज कार्यक्रम स्थल पर प्रगति इवेंट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने एक प्रेस वार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि प्रगति महोत्सव-2025 वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाओ पर केन्द्रित है। इस महोत्सव में प्रगति के पथ पर अग्रसर उत्तर प्रदेश का हस्तशिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, हैण्डलूम-हैण्डी क्राफ्ट, खादी, इलेक्ट्रानिक के समान, सहारनपुर का फर्नीचर, भदोही का कालीन, गर्म कपड़े, शाल, बनारसी सड़िया व लहंगे, कानपुर का चमड़े का सामन, घरेलू सामान और लघु इकाइयों द्वारा निर्मित अचार, पापड़, मसाले, क्रॉकरी , मेवे व अन्य सामानों के स्टाल होंगे।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रगति महोत्सव में निःशुल्क प्रगति महोत्सव टैलेंट हण्ट-2025 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग , मेंहदी, रंगोली, कबाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में प्रगति इवेंट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि प्रगति महोत्सव-2025 में उत्तर प्रदेश की प्रगति में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को प्रगति रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें महिलायें, पुरूष और बच्चे शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि प्रगति महोत्सव-2025 की सांस्कृतिक संध्या में 24 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक श्रीराम अयोध्या धाम के स्वामी प्रद् युम्न प्रियाचार्य जी महाराज की राम कथा शाम 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक होगी। 2 अक्टूबर को दशहरे के दिन शाम को राम रावण संवाद राम लीला और रावण के पुतले का दहन होगा।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा 3 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य, लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, धोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा-ऊदल गायन, घूमर नृत्य, कालबेलिया नृत्य, तेराताली नृत्य, गेर नृत्य, गिद्दा-भांगड़ा नृत्य, कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें।

एन.बी. सिंह ने आगे बताया की प्रगति महोत्सव के फूड जोन में कश्मीरी, राजस्थानी, पंजाबी, साउथ इण्डियन, गुजराती, चाइनीज, अवधी के अलावा देशी बाटी चोखे के स्टाल आकर्षण के केन्द्र होंगे। इसके अलावा फन जोन में बच्चों और युवाओं के लिए भूत बंगला और सेल्फी पॉइंट होगा।